University in News on 12 December 2024

HINDUSTAN PAGE 7

भारतीय भाषाओं के लेखकों पर चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सुब्रमण्यम भारती के जन्मदिवस पर भारतीय भाषा संवर्धन समिति ने भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया।

प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, कला संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. अरविन्द मोहन ने शुभारंभ किया। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि कुमार, उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. फाजिल हाशमी, संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. अभिमन्यु सिंह ने भारतीय भाषाओं में महान साहित्यकारों के योगदान पर बात की। इसके अलावा संस्कृत, हिंदी, उर्दू, बांग्ला, तमिल आदि भाषा विशेषज्ञों ने भी भाषा संवर्धन पर विचार रखे।

एलयू में राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षा संकाय व समाज कार्य विभाग में राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद-2025 क्षेत्रीय स्तर की भाषण प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को होगा। क्षेत्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता का विषय नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट रखा गया है। जिसे ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। इसमें कुल 16 विश्वविद्यालयों के 200 प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं।

रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के बारे में जानकारी दी

लखनऊ। एलयू के रसायन विज्ञान विभाग में 12वें विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ। हावर्ड में भौतिकी के प्रो. प्रभाकर मिश्रा ने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और पीजोइलेक्ट्रिक क्वांटम डॉट्स की मॉडलिंग और सिमुलेशन विषय पर बात की। उन्होंने बताया कि क्वांटम डॉट्स (क्यू-डॉट्स) के ऑप्टिकल और इलेक्ट्रॉनिक गुण उनके आकार, आकृति और संरचना के साथ अलग होते हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि को यूनिरैंक में मिला स्थान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को शैक्षिक क्षेत्र में उत्कृष्ट डिजिटल सहभागिता के लिए यूनिरैंक-2024 में स्थान मिला है। लविवि की सोशल मीडिया उपस्थिति, सामाजिक उपलब्धता और स्टूडेंट फ्रेंडली होने के चलते यह रैंकिंग प्रदान की गई है। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विवि ने सभी राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में 41वां स्थान और देश के नियमित विश्वविद्यालयों में 16वां स्थान प्राप्त किया है। (संवाद)

जीवन जीने की कला सिखाती है गीता

स्रोत: स्वयं

लखनऊ। लविवि के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की ओर से गीता जयंती का आयोजन किया गया। उद्घाटन डीन प्रो. अशोक कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि गीता जीवन जीने की कला सिखाती है, यह सभी ग्रंथों का सार है। डॉ. इशिता अरोड़ा ने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए स्वधर्म को अपनाना चाहिए। छात्रा निकिता, अवनी एवं रागिनी ने योग नृत्य प्रस्तुत किया। रोम हेमवानी ने बांसुरी वादन किया। गीता से संबंधित प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया। (संवाद)

i-NEXT PAGE 6

20 से बीएससी कृषि और 24 से बीसीए के एग्जाम

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने जारी किया परीक्षा कार्यक्रम

LUCKNOW (11 Dec) : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बुधवार को बीसीए और बीएससी (कृषि) विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की समय सारिणी जारी की. 20 दिसंबर से बीएससी (आनर्स) कृषि और 24 दिसंबर से बीसीए की सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू होंगी. छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट से समय सारिणी डाउनलोड कर सकते हैं. समय सारिणी के अनुसार बीसीए पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 दिसंबर से आठ जनवरी तक होंगी. इसका समय दोपहर 2:30 से 4:30 बजे तक रहेगा. इसके तीसरे सेमेस्टर (एनईपी रेगुलर) और ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 26 दिसंबर से नौ जनवरी तक होंगी. बीसीए पहले सेमेस्टर (एनईपी) और ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 13 से 22 जनवरी तक आयोजित की जाएंगी.

बीएससी कृषि की परीक्षा

बी.एससी (आनर्स) कृषि तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 दिसंबर से 20 जनवरी तक, प्रथम सेमेस्टर (एनईपी) की परीक्षाएं 24 दिसंबर से 22 जनवरी तक होंगी. पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 दिसंबर से 23 जनवरी तक होंगी. एमएससी कृषि की परीक्षाएं 20 से एलयू ने एमएससी कृषि की समय सारिणी भी जारी कर दी है. एम.एससी कृषि हर्टिकल्चर और एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 दिसंबर से चार जनवरी, इसके तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 से 26 दिसंबर तक होंगी. एमएससी कृषि एग्रोनामी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 दिसंबर से चार जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की 20 से 26 दिसंबर तक संचालित होंगी.

JAGRAN CITY PAGE III

20 से बीएससी कृषि, 24 से बीसीए की परीक्षाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किया परीक्षा कार्यक्रम एमएससी कृषि की परीक्षाएं 20 दिसंबर से

जासं • लखनऊ : लवि ने बुधवार को बीसीए और बीएससी (कृषि) विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की समय सारिणी जारी की। 20 दिसंबर से बीएससी (आनर्स) कृषि और 24 दिसंबर से बीसीए की सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू होंगी। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ से समय सारिणी डाउनलोड कर सकते हैं।

समय सारिणी के अनुसार बीसीए पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 दिसंबर से आठ जनवरी तक होंगी। इसका समय दोपहर 2:30 से 4:30 बजे तक रहेगा। इसके तीसरे सेमेस्टर (एनईपी रेगुलर) और ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 26 दिसंबर से नौ जनवरी तक होंगी। बीसीए पहले सेमेस्टर (एनईपी) और ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 13 से 22 जनवरी तक आयोजित की जाएंगी।

ये है बीएससी कृषि की परीक्षा तिथि : बी.एससी (आनर्स) कृषि तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 दिसंबर से 20 जनवरी तक, प्रथम सेमेस्टर (एनईपी) की परीक्षाएं 24 दिसंबर से 22 जनवरी तक होंगी। पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 दिसंबर से 23 जनवरी तक होंगी।

एमएससी कृषि की परीक्षाएं 20 से : लवि ने एमएससी कृषि की समय सारिणी भी जारी कर दी है। एम.एससी कृषि हर्टिकल्चर और एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 दिसंबर से चार जनवरी, इसके तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 से 26 दिसंबर तक होंगी। एमएससी कृषि एग्रोनामी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 दिसंबर से चार जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की 20 से 26 दिसंबर तक संचालित होंगी।

लवि को राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में मिला 41वां स्थान

जासं • लखनऊ : लवि ने शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल सहभागिता में भी अहम भूमिका निभाते हुए यूनिरैंक-2024 में बेहतर प्रदर्शन किया है। लवि की सोशल मीडिया उपस्थिति और सामाजिक सहभागिता की वजह से सभी राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में 41वां और देश के नियमित विश्वविद्यालयों में 16वां स्थान प्राप्त किया है। बुधवार को लवि ने यह जानकारी साझा की। यूनिरैंक की ओर से प्रकाशित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर उपस्थिति के आधार पर लवि ने ट्विटर पर शैक्षिक संस्थानों में 17वां स्थान और नियमित विश्वविद्यालयों में पांचवां स्थान हासिल किया। वहीं, यूट्यूब पर यह संस्थानों में 34वें और नियमित विश्वविद्यालयों में 18वें स्थान पर है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह रैंकिंग विश्वविद्यालय के लगातार किए गए प्रयासों का नतीजा है। लवि छात्रों की जरूरतों को समझते हुए और समाज में अपना योगदान देते हुए हर जगह अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है।

छात्रवृत्ति फार्म में बायोमीट्रिक लगाने की तिथि बढ़ी

जासं • लखनऊ : लवि ने अध्ययनरत सामान्य, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति (सत्र 2024-25) के लिए बायोमीट्रिक लगाने की तिथि बढ़ा दी है। अब 13 दिसंबर तक का समय दिया गया है। लवि के नोडल आफिसर (छात्रवृत्ति) की ओर से इसके निर्देश जारी किए हैं। सामान्य वर्ग के रिसीविंग संख्या-एक से 1100 तक और एससी-एसटी की रिसीविंग संख्या एक से 800 तक के ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने अभी तक बायोमीट्रिक नहीं कराई है, उन्हें 15 दिसंबर को सुबह 11 बजे से कुलसचिव कार्यालय के छात्रवृत्ति अनुभाग में बायोमीट्रिक उपस्थिति लगाने के लिए कहा गया है।

क्वांटम डाट्स विषय पर चर्चा

लखनऊ : लवि के रसायन विज्ञान विभाग ने बुधवार को बारहवां विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया। यह व्याख्यान हावर्ड विश्वविद्यालय, वाशिंगटन के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. डा. प्रभाकर मिश्रा ने दिया। उन्होंने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और पीजोइलेक्ट्रिक क्वांटम डाट्स की माडलिंग एवं सिमुलेशन विषय पर चर्चा की। प्रो. अनिल मिश्रा ने अतिथि का स्वागत किया। (जासं)

विद्यार्थियों को दिखाई डाक्यूमेंट्री

लखनऊ : लवि में मिशन शक्ति फेज-पांच के तहत मध्यकालीन व आधुनिक इतिहास विभाग ने कार्यक्रम का आयोजन किया। पूर्व अध्यक्ष प्रो. एसएन कपूर ने 'लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का संस्कृति के प्रति असीम अनुराग: त्रिशब्दि वर्ष पर विशेष स्मरण' विषय पर व्याख्यान दिया। लोकमाता अहिल्याबाई पर डाक्यूमेंट्री दिखाई। (जासं)

जीवन जीने की कला सिखाती है गीता : प्रो. अशोक

कार्यक्रम का शुभारंभ करते प्रो. अशोक कुमार सोनकर • सौजन्य से लवि

जासं • लखनऊ : 'गीता जीवन जीने की कला सिखाती है। यह सभी ग्रंथों का सार है। प्रत्येक व्यक्ति को इसकी शिक्षा को अपना कर जीवन को धन्य एवं सफल बनाना चाहिए' यह विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के अधिष्ठाता प्रो. अशोक कुमार सोनकर ने बुधवार को योग विभाग की ओर से आयोजित गीता जयंती के अवसर पर रखे।

कार्यक्रम में संकाय की शिक्षिका डा. इशिता अरोड़ा ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को जीवन में सफल होने के लिए स्वधर्म को अपनाना चाहिए, ताकि जीवन के प्रति उनकी प्रसन्नता और सार्थकता बनी रहे। कार्यक्रम में गीता के विषय में संकाय के विद्यार्थी श्वेता, प्रिया, इतिका, ज्योति, सुधा, रुचि, उर्वशी एवं नम्रता मिश्रा ने भी अपने विचार रखे। छात्रा निकिता, अवनी एवं रागनी ने योग नृत्य प्रस्तुत किया। रोम हेमवानी ने बांसुरी बजाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में गीता से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई। इस अवसर पर संकाय के को-आर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव, डा. उमेश कुमार शुक्ला, डा. सतेंद्र कुमार मिश्र व डा. सुधीर मिश्रा उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया काव्य पाठ और गजल

जासं • लखनऊ : लवि की भारतीय भाषा संवर्धन समिति की ओर से बुधवार को भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, कला संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन, हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि कुमार, उर्दू विभागाध्यक्ष डा. फाजिल हाशमी और संस्कृत विभागाध्यक्ष डा. अभिमन्यु सिंह ने भारतीय भाषाओं में प्राप्त महान साहित्यकारों की ओर से सृजित विपुल साहित्यिक योगदान की चर्चा की। समिति के प्रतिनिधि प्रो. वाईपी सिंह ने समिति के भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य की जानकारी दी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने काव्य पाठ, गजल, नाट्यांश, वक्तव्य प्रस्तुत किए।

PIONEER PAGE 4

नवाचार के जरिए लविवि ने बनाई खास

● सभी राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में 41वें स्थान पर एलयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल सहभागिता के नए मानक तय किये हैं। यह बात यूनिरैंक 2024 में उसकी शानदार प्रदर्शन से साफ झलकती है। आज के दौर में जहाँ पारदर्शिता, सटीक जानकारी और समय पर अपडेट मिलना जरूरी है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन सभी मामलों में अपनी खास पहचान बनाई है वहीं,विश्वविद्यालय की सोशल मीडिया उपस्थिति और सामाजिक सहभागिता इसकी मजबूत रैंकिंग के प्रदर्शन से साफ देखी जा सकती है।

रैंकिंग के अनुसार लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में 41वां स्थान प्राप्त किया है और देश के नियमित विश्वविद्यालयों में 16वां स्थान प्राप्त किया है। यूनि-रैंक द्वारा प्रकाशित विभिन्न सोशल प्लेटफ़ॉर्मों पर उपस्थिति के आधार पर, विश्वविद्यालय ने ट्विटर पर शैक्षिक संस्थानों में 17वां स्थान और नियमित विश्वविद्यालयों में 5वां स्थान प्राप्त किया है। वहीं, यूट्यूब पर यह संस्थानों में 34वें और नियमित विश्वविद्यालयों में 18वें स्थान पर है। विश्वविद्यालय रियल-टाइम इंटरैक्शन और पारदर्शी संवाद से जरिये यह सुनिश्चित करता है कि छात्र, पूर्व छात्र और आम जनता इसकी शैक्षणिक पहलों, शोध उपलब्धियों और सामाजिक योगदानों से जुड़ी जानकारी से हमेशा अपडेट रहें। शिमागो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग भी विश्वविद्यालय के इस प्रदर्शन की पुष्टि करती है। जिसमें विश्वविद्यालय ने सभी शैक्षणिक संस्थानों में 91वां और सामाजिक प्रभाव के मामले में देश के नियमित विश्वविद्यालयों में 21 वां स्थान प्राप्त किया था। यह इस बात की तस्दीक करता है कि विश्वविद्यालय एक जिम्मेदार संस्थान के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। और अपने संसाधनों का इस्तेमाल सही जानकारी और पारदर्शिता के साथ वैश्विक चुनौतियों से निपटने में करता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा, यह रैंकिंग हमारे लगातार किए गए प्रयासों का नतीजा है। हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शिता और नवाचार के जरिए नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रों की जरूरतों को समझते हुए और समाज में अपना योगदान देते हुए, ऑनलाइन और ऑफलाइन, हर जगह अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि विश्वविद्यालय की 24×7 सोशल मीडिया उपस्थिति बनी रहे, ताकि हर सवाल का जवाब समय पर दिया जा सके और हर जानकारी तुरंत पहुंचाई जा सके।

AMRIT VICHAR PAGE 4

सुब्रमण्यम भारती की जयंती पर हुआ भाषा उत्सव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ लविवि में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय भाषा के जानकारों ने रखे विचार

अमृत विचार: तमिल भाषा के कवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती पर लखनऊ विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा संवर्धन समिति द्वारा भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया।

प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, संकायाध्यक्ष प्रो. अरविन्द मोहन, हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि कुमार, उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. फाजिल हाशमी, संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. अभिमन्यु सिंह ने भारतीय भाषाओं में मौजूद साहित्यिक योगदान की चर्चा किया। संस्कृत, हिंदी, उर्दू, बांग्ला, तमिल, मलयालम, ओड़िया आदि के भाषा विशेषज्ञों ने भाषा संवर्धन पर अपने विचार व्यक्त किए और काव्यपाठ किया गया। भारतीय भाषा संवर्धन समिति के प्रतिनिधि प्रो. वाई. पी. सिंह ने भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार कार्य के लिए जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों ने काव्य -पाठ, ग़ज़ल, नाट्यांश, वक्तव्य प्रस्तुत किए।

समिति की प्रतिनिधि सदस्य हिंदी की प्रो. अलका पांडेय, गणित विभाग की प्रो. अनुपमा रस्तोगी, एप्लाइड विभाग के डॉ. करुणा शंकर कनौजिया, संस्कृत से डॉ. अशोक कुमार सतपथी भाषा विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. श्रीकुमार समेत शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पुनर्वास विवि में आयोजित हुआ भाषा उत्सव कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में हिंदी व अन्य भारतीय भाषा विभाग की ओर से तमिल महाकवि भारतियार चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती की जयंती भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाई गई। विभागाध्यक्ष प्रो. यशवंत वीरोदय के मार्गदर्शन कार्यक्रम हुआ। संयोजक कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र के प्रबंधक डॉ. रणजीत कुमार ने कहा कि भारत बहुभाषी देश है और हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं विविधता इन भाषाओं में दृष्टिगोचर होती है। डॉ. सुधा मौर्य कहा कि यह दिन तमिल कवि और स्वतंत्रता सेनानी चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती की जयंती के रूप में मनाया जाता है। डॉ अभिषेक कुमार सिंह ने भाषा के महत्व पर बल दिया और व्यक्त किया कि पीड़ा में हमारी मातृ भाषा ही प्रकट होती है।

बीबीएयू में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ: बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत हिन्दी विभाग की ओर से भारतीय भाषाओं का संरक्षण एवं संवर्धन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. एस.के. द्विवेदी ने कहा कि आज के समय में हिन्दी भाषा के समायोजन की आवश्यकता है। क्योंकि भाषा संस्कृति और सभ्यता के संरक्षण, आम जनमानस के भाव एवं विचारों के आदान-प्रदान के लिए आवश्यक है। इसके अतिरिक्त इन्होंने समाज में विभिन्न साहित्यकारों के योगदानों पर प्रकाश डाला। लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के डॉ. सत्यकेत ने कहा कि भारतीय भाषाओं ने प्राचीन काल से ही आपस में समन्वय स्थापित किया हुआ है, यही कारण है कि भाषायी एकता के आधार पर भारत के अस्तित्व को स्वीकार करना चाहिए। डॉ. विपिन झा ने बताया कि संस्कृत भाषा सभी भाषाओं का केंद्र बिंदु हैं। इसके अतिरिक्त वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के लिए मातृभाषा के अतिरिक्त अन्य भाषा का ज्ञान भी जरूरी है। मुख्य अतिथि पीएसी लखनऊ की अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. अर्चना सिंह उपस्थित रहीं। हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रामपाल गंगवार, लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के डॉ. सत्यकेत, डॉ. विपिन कुमार झा व डॉ. प्रीति राय उपस्थित रहीं। सर्वप्रथम प्रो. रामपाल गंगवार ने सभी को अतिथियों के परिचय एवं कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रुपरेखा से अवगत कराया। मंच संचालन कार्यक्रम संयोजक डॉ. शिवशंकर यादव द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बलजीत श्रीवास्तव ने किया। निर्णायक डॉ. प्रीति राय व डॉ. विपिन कुमार झा रहे।

रमन प्रभाव की बारीकियों पर हुआ मंथन

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में बारहवां विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। भौतिकी प्रोफेसर और लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रयोगशाला भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग हावर्ड विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. प्रभाकर मिश्रा उपस्थित रहे। विभाग के प्रमुख प्रो. अनिल मिश्रा ने व्याख्यान के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि क्वांटम डॉट्स ऑप्टिकल और इलेक्ट्रॉनिक गुणों वाले नैनोस्केल सेमीकंडक्टर कण हैं। डॉ. एनके सिंह द्वारा और डॉ. प्रियंका चौधरी ने विचार रखे। प्रो. प्रभाकर मिश्रा ने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और पीजोइलेक्ट्रिक क्वांटम डॉट्स की मॉडलिंग और सिमुलेशन विषय पर व्याख्यान दिया।

उपलब्धि | राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में प्राप्त किया 41वां स्थान

लविवि को देश में मिला 16वां स्थान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल सहभागिता के नए मानक बनाएं हैं। यूनिरैंक- 2024 में विश्वविद्यालय ने शानदार प्रदर्शन किया है।

रैंकिंग के अनुसार विश्वविद्यालय ने सभी राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में 41वां स्थान प्राप्त किया है जबकि देश के नियमित विश्वविद्यालयों में 16वां स्थान प्राप्त किया है।

यूनि-रैंक द्वारा प्रकाशित विभिन्न सोशल प्लेटफ़ॉर्मों पर उपस्थिति के आधार पर विश्वविद्यालय ने ट्विटर पर शैक्षिक संस्थानों में 17वां स्थान और नियमित विश्वविद्यालयों में 5वां स्थान प्राप्त किया है। यूट्यूब पर यह संस्थानों में 34वें और नियमित विश्वविद्यालयों में 18वें स्थान पर है। विश्वविद्यालय रियल-टाइम इंटरैक्शन और पारदर्शी संवाद से जरिये यह सुनिश्चित करता है कि छात्र, पूर्व छात्र और आम जनता इसकी शैक्षणिक पहलों, शोध उपलब्धियों और सामाजिक योगदानों से जुड़ी जानकारी से हमेशा अपडेट रहें।

कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि रैंकिंग हमारे लगातार किए गए प्रयासों का नतीजा है। हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शिता और नवाचार के जरिए नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के विषय में दी जानकारी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के रसायन विज्ञान विभाग ने बुधवार को बारहवां विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया। यह व्याख्यान भौतिकी के प्रोफेसर और लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रयोगशाला, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, हावर्ड विश्वविद्यालय, वाशिंगटन, डीसी, यूएसए के निदेशक डॉ. प्रभाकर मिश्रा ने दिया। रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. अनिल मिश्रा ने अतिथि का स्वागत किया और श्रोताओं को व्याख्यान के महत्व से अवगत कराया क्योंकि क्वांटम डॉट्स (क्यूडी) अद्वितीय ऑप्टिकल और इलेक्ट्रॉनिक गुणों वाले नैनोस्केल सेमीकंडक्टर कण हैं, जो उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक मूल्यवान बनाते हैं।

प्रो. प्रभाकर मिश्रा ने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और पीजोइलेक्ट्रिक क्वांटम डॉट्स की मॉडलिंग और सिमुलेशन विषय पर एक दिलचस्प व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान की शुरूआत यह बताकर की कि क्वांटम डॉट्स (क्यू-डॉट्स) के ऑप्टिकल और इलेक्ट्रॉनिक गुण उनके आकार, आकृति और संरचना के साथ भिन्न होते हैं। जेडएनओ, जेडएनएस, सीडीएसई और पेरोव्स्काइट्स सहित कई तरह के क्यू-डॉट्स का अध्ययन किया गया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी (उनकी कंपन आवृत्तियों को सटीक रूप से निर्धारित करने के लिए) और यूवी-वीआईएस स्पेक्ट्रोस्कोपी (उनकी बैंड गैप ऊर्जाओं को सटीक रूप से निर्धारित करने के लिए) दोनों का उपयोग किया है। जेडएनओ और जेडएनएस क्यू-डॉट्स की इलेक्ट्रॉनिक बैंड संरचना और अवस्थाओं के घनत्व का अध्ययन डेंसिटी फंक्शनल थ्योरी (डीएफटी) का उपयोग करके तनाव के तहत किया गया है। कंप्यूटर प्रोग्राम सिस्ता (स्पेनिश इनिशिएटिव फॉर इलेक्ट्रॉनिक सिमुलेशन विद थाउजेंड्स ऑफ एटम्स) का उपयोग परमाणु ऑर्बिटल्स (लकओ) विधि के रैखिक संयोजन के माध्यम से डीएफटी गणना करने के लिए किया गया था। स्ट्रेन-ट्यूनेबल इलेक्ट्रॉनिक गुणों वाले अर्धचालक क्वांटम डॉट्स क्वांटम कंप्यूटिंग उपकरणों के लिए प्रमुख उम्मीदवार हैं, क्योंकि उन्हें फोटॉन उलझाव की उच्च डिग्री की अनुमति देने के लिए दिखाया गया है।

लविवि ने शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल सहभागिता के तय किये नये मानक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि ने शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल सहभागिता के नए मानक तय किये हैं। यह बात यूनिरैंक 2024 में उसकी शानदार प्रदर्शन से साफ झलकती है। आज के दौर में जहां पारदर्शिता, सटीक जानकारी और समय पर अपडेट मिलना जरूरी है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन सभी मामलों में अपनी खास पहचान बनायी है। लखनऊ विश्वविद्यालय की सोशल मीडिया उपस्थिति और सामाजिक सहभागिता इसकी मजबूत रैंकिंग के प्रदर्शन से साफ देखी जा सकती है।

रैंकिंग के अनुसार लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में 41वां स्थान प्राप्त किया है और देश के नियमित विश्वविद्यालयों में 16वां स्थान प्राप्त किया है। यूनि-रैंक द्वारा प्रकाशित विभिन्न सोशल प्लेटफॉर्मों पर उपस्थिति के आधार पर, विश्वविद्यालय ने ट्विटर पर शैक्षिक संस्थानों में 17वां स्थान और नियमित विश्वविद्यालयों में 5वां स्थान प्राप्त किया है। वहीं, यूट्यूब पर यह संस्थानों में 34वें और नियमित विश्वविद्यालयों में 18वें स्थान पर है।

विश्वविद्यालय रियल-टाइम इंटरैक्शन और पारदर्शी संवाद से जरिये यह सुनिश्चित करता है कि छात्र, पूर्व छात्र और आम जनता इसकी शैक्षणिक पहलों, शोध उपलब्धियों और सामाजिक योगदानों से जुड़ी जानकारी से हमेशा अपडेट रहें। शिमागो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग भी विश्वविद्यालय के इस प्रदर्शन की पुष्टि करती है। जिसमें विश्वविद्यालय ने सभी शैक्षणिक संस्थानों में 91वां और सामाजिक प्रभाव के मामले में देश के नियमित विश्वविद्यालयों में 21 वां स्थान प्राप्त किया था। यह इस बात की तस्दीक करता है कि विश्वविद्यालय एक जिम्मेदार संस्थान के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। और अपने संसाधनों का इस्तेमाल सही जानकारी और पारदर्शिता के साथ वैश्विक चुनौतियों से निपटने में करता है।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि यह रैंकिंग हमारे लगातार किए गए प्रयासों का नतीजा है। हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शिता और नवाचार के जरिए नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विश्वविद्यालय छात्रों की जरूरतों को समझते हुए और समाज में अपना योगदान देते हुए, ऑनलाइन और ऑफलाइन, हर जगह अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल सहभागिता के नए मानक तय किये : कुलपति

यूनिरैंक : राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में लविवि को मिला 41वां स्थान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल सहभागिता के नए मानक तय किये हैं। यह बात यूनिरैंक 2024 में उसके शानदार प्रदर्शन से साफ झलकता है। वर्ममान में जहां पारदर्शिता, सटीक जानकारी और समय पर अपडेट मिलना जरूरी है। लविवि ने इन सभी मामलों में अपनी खास पहचान बनाई है। लविवि की सोशल मीडिया उपस्थिति और सामाजिक सहभागिता इसकी मजबूत रैंकिंग के प्रदर्शन से साफ देखे जा सकती है। रैंकिंग के अनुसार लविवि ने सभी राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में 41वां स्थान प्राप्त किया है और देश के नियमित विश्वविद्यालयों में 16वां स्थान प्राप्त किया है। यूनिरैंक द्वारा प्रकाशित विभिन्न सोशल प्लेटफ़ॉर्मों पर उपस्थिति के आधार पर विवि ने एक्स पर शैक्षिक संस्थानों में 17वां स्थान और नियमित विश्वविद्यालयों में 5वां स्थान प्राप्त किया है। वहीं, यूट्यूब पर यह संस्थानों में 34वें और नियमित विश्वविद्यालयों में 18वें स्थान पर है। विवि रियल-टाइम इंटरैक्शन और पारदर्शी संवाद से जरिये यह सुनिश्चित करता है कि छात्र, पूर्व छात्र और आम जनता इसकी शैक्षणिक पहलों, शोध उपलब्धियों और सामाजिक योगदानों से जुड़ी जानकारी से हमेशा अपडेट रहें। उक्त बातें, लविवि कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहीं। उन्होंने कहा, शिमागो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग भी विवि के इस प्रदर्शन की पुष्टि करती है। जिसमें विवि ने सभी शैक्षणिक संस्थानों में 91वां और सामाजिक प्रभाव के मामले में देश के नियमित विश्वविद्यालयों में 21 वां स्थान प्राप्त किया था। यह इस बात की तस्दीक करता है कि विवि एक जिम्मेदार संस्थान के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। साथ ही अपने संसाधनों का इस्तेमाल सही जानकारी और पारदर्शिता के साथ वैश्विक चुनौतियों से निपटने में करता है। इस उपलब्धि पर लविवि कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा, यह रैंकिंग हमारे लगातार किए गए प्रयासों का नतीजा है। हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शिता और नवाचार के जरिए नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लविवि छात्रों की जरूरतों को समझते हुए और समाज में अपना योगदान देते हुए, ऑनलाइन और ऑफलाइन, हर जगह अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि विवि की 24 घंटे सोशल मीडिया उपस्थिति बनी रहे, ताकि हर सवाल का जवाब समय पर दिया जा सके और हर जानकारी तुरंत पहुंचाई जा सके। ये उपलब्धियां दिखाती हैं कि लविवि लगातार तेजी, सटीकता और पारदर्शिता को अपनी शैक्षणिक और डिजिटल रणनीतियों का अहम हिस्सा बनाकर आगे बढ़ रहा है। इन मजबूत रैंकिंग्स के साथ, लविवि शैक्षिक उत्कृष्टता और डिजिटल संचार में नेतृत्व करने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः पुष्टि की है और एक उज्जवल भविष्य की दिशा में अग्रसर होता दिखाई पड़ रहा है।